

केएम विवि में हुआ एक दिव्य मिशन के रूप में राष्ट्रवाद-स्थिरता पर व्याख्यान

श्रीअरविंदो के शिक्षिक योगदान पर विद्वानों ने किया मंच साझा

संवाददाता

मथुरा। एक दिव्य मिशन के रूप में राष्ट्रवाद: सतत विकास के संबंध में श्रीअरविंद के शैक्षिक दर्शन का महत्व के संबंध में के.एम. विश्वविद्यालय में व्याख्यान का आयोजन किया गया। प्रारंभ में, के.एम. विश्वविद्यालय के कुलाधिपति किशन चौधरी ने पुडुचेरी और मथुरा के श्री अरविंदो सोसाइटी शाखा से आए गणमान्यों का हार्दिक अभिनंदन व स्वागत किया। केएम विवि के चांसलर के सलाहकार तथा कार्यक्रम के संयोजक डा. एसपी गोस्वामी ने श्री अरविंद और माताजी का शिक्षा दर्शन समग्र शिक्षा तथा आत्म-खोज, आंतरिक स्वतंत्रता और चेतना के विकास पर जोर दिया। व्याख्यान कार्यशाला के दौरान कुलसचिव डा. पूरन सिंह, मेडीकल प्राचार्य डा. पीएन भिसे ने मुख्य और विशिष्ट अतिथियों का शॉल ओढ़कर, स्मृति



चिह्न देकर सम्मानित किया। मुख्य अतिथि डा. किशोर कुमार त्रिपाठी, सदस्य सचिव, अरोभारती, श्री अरविन्द सोसाइटी ने श्री अरविन्द के व्यक्तित्व पर प्रकाश डालते हुए कहा कि 21वीं सदी भारत की है। राष्ट्र

समर्पण के प्रति हम सभी को भावना रखनी चाहिए, जिससे जीवन में खुशी आये। भारत को ज़रूरत है राष्ट्र के विकास को, जिसके लिए हमें लीडरों के व्याख्यान पढ़ने चाहिए। उनके व्यक्तित्व को अपनाते हुए

शिक्षा प्राप्त कर भारत को विश्वगुरु बनाना है। डॉ किशोर कुमार त्रिपाठी ने एक दिव्य मिशन के रूप में राष्ट्रवाद के संदर्भ में महर्षि अरविन्द और श्रीमाताजी के चिंतन पर छात्रों के साथ महत्वपूर्ण विषयों पर चर्चा की। विवि के कुलसचिव डा. पूरन सिंह ने कहा श्री अरविन्द ने भारतीयों को उच्चतम अध्यात्मिकता के लिए तैयार करना अपना लक्ष्य उचित समझा था क्योंकि उनकी धारणा थी कि भारत का उद्देश्य सम्पूर्ण मानवता को जाग्रत करके चेतना के एक उच्चतर स्तर पर रखना है।

श्री अरविन्द ने कभी भी स्वयं को राष्ट्रीय कर्मक्षेत्र से अलग नहीं किया था, पाण्डिचेरी का जीवन श्री अरविन्द की महान् योग साधना और साहित्यिक क्रिया का जीवन रहा। उन्होंने अनेक कृतियों विश्व को दी हैं, जिसमें दिव्य जीवन, मानव एकता का आदर्श, योग के तत्व, कर्मयोग का आदर्श, मानव चक्र,

भारतीय संस्कृति के आधार है। विशिष्ट अतिथि अनिल वाजपेई ने कहा आप सभी सौभाग्यशाली हैं कि आप केएम विश्वविद्यालय से जुड़े हैं, विदेश के लोग इंडिया आ रहे हैं देश को जो मान मिल रहा है वह भारतीय डॉक्टरों के कारण मिल रहा है। आप ही इस राष्ट्र को आगे ले जाकर भारत को विश्वगुरु बनायेंगे। हमारे पुराने वेदों में राष्ट्र की बात कही गई है। उन्होंने राष्ट्र क्या है, वेदों, 12 ज्योतिर्लिंगों, नदियों पर प्रकाश डाला। आपको अपना दीपक स्वयं बनकर अपने को अंदर से जागृत करना चाहिए। ईश्वर की कोई सीमा नहीं, ऐसे ही ज्ञान की कोई सीमा नहीं होती है, अध्यात्म भारत के राष्ट्रवाद में देखने को मिलता है। व्याख्यान कार्यशाला में विद्वानों ने श्री अरविंद के द्वारा दुनियाभर को दिए गए प्रकाश के बारे में एमबीबीएस छात्र-छात्राओं को बताया, युवा पीढ़ी को श्री अरविंद द्वारा बताया गया है कि

राष्ट्र समर्पण प्रति भावना रखकर हम जीवन में खुशी पा सकते हैं और दूसरों को खुशी दे सकते हैं, राष्ट्र के प्रति समर्पण भाव कैसे रखना चाहिए। श्री अरविंद के व्याख्यान, उनके व्यक्तित्व को पढ़ें और शिक्षा हासिल कर भारत को विश्वगुरु बनायें। इस अवसर पर श्री अरविंदो के शैक्षिक दर्शन, राष्ट्रवाद पर एसएचआर ऋषि कुमार शर्मा, अमरनाथ गर्ल्स डिग्री कालेज डा. मीता वाजपेई, श्रीमती चंचल अग्रवाल (अमरनाथ गर्ल्स डिग्री कालेज), श्रीमती ज्योति त्रिपाठी अमरनाथ गर्ल्स डिग्री कालेज आदि उपस्थित रहे। कार्यक्रम संयोजक डा. एसपी गोस्वामी ने व्याख्यान का समापन राष्ट्रगान और भारतभूमि माता की प्रार्थना गीत के साथ करवाया। इस मौके पर विवि के समस्त फेकल्टी के एचओडी और सभी संकायों के सैकड़ों की संख्या में छात्र-छात्राएं उपस्थित रहे।

हिन्दी दैनिक

Subscribe Amar Bhashkar News X @amarbhashkarnews f Amar bhashkar

अमर भास्कर

बोली, पुराठाबाद, अलीगढ़, आगरा, सहारनपुर घंटान, विभि एनसीआर एवं उनसराउंड में प्रकाशित

ज़िद सच की

जिद सच की

Email- amarbhashkar21@gmail.com, www.amarbhashkar.in

राज्य में टॉप ऑपरेशन में 10 लाख लोग विद्यमान... 1

वर्ष: 03 अंक: 146

बदायूं, बुलवार 04 दिसंबर 2025

पृष्ठ- 08

मूल्य- 4.00 रुपये

केएम विवि में हुआ एक दिव्य मिशन के रूप में राष्ट्रवाद-स्थिरता पर व्याख्यान

श्रीअरविंदो के शिक्षिक योगदान पर विद्वानों ने किया मंच साझा

मधुरा। एक दिव्य मिशन के रूप में राष्ट्रवाद: सतत विकास के संबंध में श्रीअरविंद के शैक्षिक दर्शन का महत्व के संबंध में के.एम. विश्वविद्यालय में व्याख्यान का आयोजन किया गया। प्रारंभ में, के.एम. विश्वविद्यालय के कुलाधिपति किशन चौधरी ने पुडुचेरी और मधुरा के श्री अरविंदो सोसाइटी शाखा से आए गणमान्यों का हार्दिक अभिनंदन व स्वागत किया।

केएम विवि के चांसलर के सलाहाकार तथा कार्यक्रम के संयोजक डा. एसपी गोस्वामी ने श्री अरविंद और माताजी का शिक्षा दर्शन समग्र शिक्षा तथा आत्म-खोज, आंतरिक स्वतंत्रता और चेतना के विकास पर जोर दिया। व्याख्यान कार्यशाला के दौरान कुलसचिव डा. पूरन सिंह, मेडीकल प्राचार्य डा. पीएन भिसे ने मुख्य और विशिष्ट



अतिथियों का शौल ओढ़कर, स्मृति पिह देकर सम्मानित किया। मुख्य अतिथि डा. किशोर कुमार त्रिपाठी, सदस्य सचिव, अरोभारती, श्री अरविन्द सोसाइटी ने श्री अरविन्द के व्यक्तित्व पर प्रकाश डालते हुए कहा कि 21वीं सदी भारत की है। राष्ट्र समर्पण के प्रति हम सभी को भावना रखनी चाहिए, जिससे जीवन में खुशी आवे। भारत को ज़रूरत है राष्ट्र के विकास की, जिसके लिए

हमें लीडरों के व्याख्यान पढ़ने चाहिए। उनके व्यक्तित्व को अपनाते हुए शिक्षा प्राप्त कर भारत को विश्वगुरु बनाना है। डॉ किशोर कुमार त्रिपाठी ने एक दिव्य मिशन के रूप में राष्ट्रवाद के संदर्भ में महर्षि अरविन्द और श्रीमाताजी के चिंतन पर छात्रों के साथ महत्वपूर्ण विषयों पर चर्चा की। विवि के कुलसचिव डा. पूरन सिंह ने कहा श्री अरविन्द ने भारतीयों को उच्चतम अध्यात्मिकता के लिए

तैयार करना अपना लक्ष्य उचित समझा था क्योंकि उनकी धारणा थी कि भारत का उद्देश्य सम्पूर्ण मानवता को जाग्रत करके चेतना के एक उच्चतर स्तर पर रखना है। विशिष्ट अतिथि अनिल वाजपेई ने कहा आप सभी सौभाग्यशाली हैं कि आप केएम विश्वविद्यालय से जुड़े हैं, विदेश के लोग इंडिया आ रहे हैं देश को जो मान मिल रहा है वह भारतीय डॉक्टरों के कारण मिल रहा है। आप ही इस राष्ट्र को आगे ले जाकर भारत को विश्वगुरु बनायेंगे। हमारे पुराने वेदों में राष्ट्र की बात कही गई है। उन्होंने राष्ट्र क्या है, वेदों, 12 ज्योतिर्लिंगों, नदियों पर प्रकाश डाला। आपको अपना दीपक स्वयं बनकर अपने को अंदर से जाग्रत करना चाहिए। ईश्वर की कोई सीमा नहीं, ऐसे ही ज्ञान की कोई सीमा नहीं होती है, अध्यात्म भारत के राष्ट्रवाद में देखने को मिलता

है। व्याख्यान कार्यशाला में विद्वानों ने श्री अरविंद के द्वारा दुनियाभर को दिए गए प्रकाश के चारों ओर एमबीबीएस छात्र-छात्राओं को बताया, युवा पीढ़ी को श्री अरविंद द्वारा बताया गया है कि राष्ट्र समर्पण प्रति भावना रखकर हम जीवन में खुशी पा सकते हैं और दूसरों को खुशी दे सकते हैं, राष्ट्र के प्रति समर्पण भाव कैसे रखना चाहिए। श्री अरविंद के व्याख्यान, उनके व्यक्तित्व को पढ़ें और शिक्षा हासिल कर भारत को विश्वगुरु बनायें। इस अवसर पर श्री अरविंदो के शैक्षिक दर्शन, राष्ट्रवाद पर एमएचआर ऋषि कुमार शर्मा, अमरनाथ गर्ल्स डिग्री कालेज डा. भीता वाजपेई, श्रीमती चंचल अग्रवाल (अमरनाथ गर्ल्स डिग्री कालेज), श्रीमती ज्योति त्रिपाठी अमरनाथ गर्ल्स डिग्री कालेज आदि उपस्थित रहे।

केएम विवि में हुआ एक दिव्य मिशन के रूप में राष्ट्रवाद-स्थिरता पर व्याख्यान

श्रीअरबिंदो के शिक्षिक योगदान पर विद्वानों ने किया मंच साझा

मीडिया फॉर यू

मथुरा। (तुलसीराम)/एक दिव्य मिशन के रूप में राष्ट्रवाद: सतत विकास के संबंध में श्रीअरबिंद के शैक्षिक दर्शन का महत्व के संबंध में के.एम. विश्वविद्यालय में व्याख्यान का आयोजन किया गया। प्रारंभ में, के.एम. विश्वविद्यालय के कुलाधिपति किशन चौधरी ने पुडुचेरी और मथुरा के श्री अरबिंदो सोसाइटी शाखा से आए गणमान्यों का हार्दिक अभिनंदन व स्वागत किया।

केएम विवि के चांसलर के सलाहाकार तथा कार्यक्रम के संयोजक डा. एसपी गोस्वामी ने श्री अरबिंद और माताजी का शिक्षा दर्शन समग्र शिक्षा तथा आत्म-खोज, आंतरिक स्वतंत्रता और चेतना के विकास पर जोर दिया। व्याख्यान कार्यशाला के दौरान कुलसचिव डा. पूरन सिंह, मेडीकल प्राचार्य डा. पीएन भिसे ने मुख्य और विशिष्ट अतिथियों का शॉल ओढ़ाकर, स्मृति चिह्न देकर सम्मानित किया। मुख्य अतिथि डा. किशोर कुमार त्रिपाठी, सदस्य



सचिव, अरोभारती, श्री अरबिंद सोसाइटी ने श्री अरबिंद के व्यक्तित्व पर प्रकाश डालते हुए कहा कि 21वीं सदी भारत की है। राष्ट्र सर्म्पण के प्रति हम सभी को भावना रखनी चाहिए, जिससे जीवन में खुशी आवे। भारत को जरूरत है राष्ट्र के विकास की, जिसके लिए हमें लीडरों के व्याख्यान पढ़ने चाहिए। उनके व्यक्तित्व को अपनाते हुए शिक्षा प्राप्त कर भारत को विश्वगुरु बनाना है। डॉ किशोर कुमार

त्रिपाठी ने एक दिव्य मिशन के रूप में राष्ट्रवाद के संदर्भ में महर्षि अरबिन्द और श्रीमाताजी के चिंतन पर छात्रों के साथ महत्वपूर्ण विषयों पर चर्चा की।

विवि के कुलसचिव डा. पूरन सिंह ने कहा श्री अरबिन्द ने भारतीयों को उच्चतम अध्यात्मिकता के लिए तैयार करना अपना लक्ष्य उचित समझा था क्योंकि उनकी धारणा थी कि भारत का उद्देश्य सम्पूर्ण मानवता को जाग्रत करके चेतना के एक उच्चतर स्तर

पर रखना है। श्री अरबिन्द ने कभी भी स्वयं को राष्ट्रीय कर्मक्षेत्र से अलग नहीं किया था, पाण्डिचेरी का जीवन श्री अरबिन्द की महान योग साधना और साहित्यिक क्रिया का जीवन रहा। उन्होंने अनेक कृतियाँ विश्व को दी है, जिसमें दिव्य जीवन, मानव एकता का आदर्श, योग के तत्व, कर्मयोग का आदर्श, मानव चक्र, भारतीय संस्कृति के आधार है। विशिष्ट अतिथि अनिल वाजपेई ने कहा आप सभी सौभाग्यशाली है कि आप केएम विश्वविद्यालय से जुड़े है, विदेश के लोग इंडिया आ रहे है देश को जो मान मिल रहा है वह भारतीय डाक्टरों के कारण मिल रहा है। आप ही इस राष्ट्र को आगे ले जाकर भारत को विश्वगुरु बनायेंगे। हमारे पुराने वेदों में राष्ट्र की बात कही गई है। उन्होंने राष्ट्र क्या है, वेदों, 12 ज्योतिर्लिंगों, नदियों पर प्रकाश डाला। आपको अपना दीपक स्वयं बनकर अपने को अंदर से जागृत करना चाहिए। ईश्वर की कोई सीमा नहीं, ऐसे ही ज्ञान की कोई सीमा नहीं होती है, अध्यात्म भारत के राष्ट्र वाद में देखने को मिलता है।

केएम विवि में हुआ राष्ट्रवाद-स्थिरता पर व्याख्यान

मधुरा। एक दिव्य मिशन के रूप में राष्ट्रवाद: सतत विकास के संबंध में श्रीअरविंद के शैक्षिक दर्शन का महत्व के संबंध में के.एम. विश्वविद्यालय में व्याख्यान का आयोजन किया गया। प्रारंभ में, के.एम. विश्वविद्यालय के कुलाधिपति किशन चौधरी ने पुडुचेरी और मधुरा के श्री अरविंदो सोसाइटी शाखा से आए गणमान्यों का हार्दिक अभिनंदन व स्वागत किया।

केएम विवि के चांसलर के सलाहकार तथा कार्यक्रम के संयोजक डा. एसपी गोस्वामी ने श्री अरविंद और माताजी का शिक्षा दर्शन समग्र शिक्षा तथा आत्म-खोज, आंतरिक स्वतंत्रता और चेतना के विकास पर जोर दिया। व्याख्यान कार्यशाला के दौरान कुलसचिव डा. पूरन सिंह, मेडिकल प्राचार्य डा. पीएन भिसे ने मुख्य और विशिष्ट अतिथियों का शौल ओढ़ाकर, स्मृति चिह्न देकर सम्मानित किया। मुख्य अतिथि डा. किशोर कुमार त्रिपाठी, सदस्य सचिव, अरोभारती, श्री अरविन्द सोसाइटी ने श्री

अरविन्द के व्यक्तित्व पर प्रकाश डालते हुए कहा कि 21वीं सदी भारत की है। राष्ट्र समर्पण के प्रति हम सभी को भावना रखनी चाहिए, जिससे जीवन में खुशी आये। भारत को जरूरत है राष्ट्र के विकास की, जिसके लिए हमें लीडरों के व्याख्यान पढ़ने चाहिए। उनके व्यक्तित्व को अपनाते हुए शिक्षा प्राप्त कर भारत को विश्वगुरु बनाना है।

डाॅ किशोर कुमार त्रिपाठी ने एक दिव्य मिशन के रूप में राष्ट्रवाद के संदर्भ में महर्षि अरविन्द और श्रीमाताजी के चिंतन पर छात्रों के साथ महत्वपूर्ण विषयों पर चर्चा की। विवि के कुलसचिव डा. पूरन सिंह ने कहा श्री अरविन्द ने भारतीयों को उच्चतम अध्यात्मिकता के लिए तैयार करना अपना लक्ष्य ठीक समझा था क्योंकि उनकी धारणा थी कि भारत का उद्देश्य सम्पूर्ण मानवता को जाग्रत करके चेतना के एक उच्चतर स्तर पर रखना है। श्री अरविन्द ने कभी भी स्वयं को राष्ट्रीय कर्मक्षेत्र से अलग नहीं किया था, पाण्डिचेरी का जीवन श्री

अरविन्द की महान् योग साधना और साहित्यिक क्रिया का जीवन रहा। उन्होंने अनेक कृतियाँ विश्व को दी है, जिसमें दिव्य जीवन, मानव एकता का आदर्श, योग के तत्व, कर्मयोग का आदर्श, मानव चक्र, भारतीय संस्कृति के आधार है।

विशिष्ट अतिथि अनिल वाजपेई ने कहा आप सभी सौभाग्यशाली है कि आप केएम विश्वविद्यालय से जुड़े है, विदेश के लोग इंडिया आ रहे है देश को जो मान मिल रहा है वह भारतीय डाक्टरों के कारण मिल रहा है। आप ही इस राष्ट्र को आगे ले जाकर भारत को विश्वगुरु बनायेंगे। हमारे पुराने वेदों में राष्ट्र की बात कही गई है। उन्होंने राष्ट्र क्या है, वेदों, 12 ज्योतिर्लिंगों, नदियों पर प्रकाश डाला।

आपको अपना दीपक स्वयं बनकर अपने को अंदर से जागृत करना चाहिए। ईश्वर की कोई सीमा नहीं, ऐसे ही ज्ञान की कोई सीमा नहीं होती है, अध्यात्म भारत के राष्ट्र वाद में देखने को मिलता है।

केएम विवि में हुआ एक दिव्य मिशन के रूप में राष्ट्रवाद-स्थिरता पर व्याख्यान



मथुरा। "एक दिव्य मिशन के रूप में राष्ट्रवाद: सतत विकास के संबंध में श्रीअरविंद के सैद्धांतिक दर्शन का महत्व" के संबंध में के.एम. विश्वविद्यालय में व्याख्यान में के.एम.

विश्वविद्यालय के कुलाधिपति किशन चौधरी ने पुढुचेरी और मथुरा के अरविंदो सोसाइटी शाखा से आए गणमान्यों का हार्दिक अभिनंदन व स्वागत किया।केएम विवि के चांसलर

के सलाहाकार तथा कार्यक्रम के संयोजक डा. एसपी गोस्वामी ने अरविंद माताजी का शिक्षा दर्शन समय शिक्षा तथा आत्म-खोज, आंतरिक स्वतंत्रता और चेतना के विकास पर जोर दिया। व्याख्यान कार्यशाला के दौरान कुलसचिव डा. पूरन सिंह, मेडीकल प्राचार्य डा. पीएन मिसे ने मुख्य और विशिष्ट अतिथियों का शॉल ओढ़ाकर, स्मृति चिह्न देकर सम्मानित किया। मुख्य अतिथि डा. किशोर कुमार त्रिपाठी, सदस्य सचिव, अरोमास्ती, अरविन्द सोसाइटी ने श्री अरविन्द के व्यक्तित्व पर प्रकाश डालते हुए कहा कि 21वीं सदी भारत की है। राष्ट्र संरक्षण के प्रति हम सभी

को भावना रखनी चाहिए, जिससे जीवन में खुशी आये। भारत को जरूरत है राष्ट्र के विकास की, जिसके लिए हमें लीडरों के व्याख्यान पढ़ने चाहिए।विवि के कुलसचिव डा. पूरन सिंह ने कहा श्री अरविन्द ने भारतीयों को उच्चतम अध्यात्मिकता के लिए तैयार करना अपना लक्ष्य उचित समझा था क्योंकि उनकी धारणा थी कि भारत का उद्देश्य सम्पूर्ण मानवता को जाग्रत करके चेतना के एक उच्चतर स्तर पर रखना है।विशिष्ट अतिथि अनिल वाजपेई ने कहा आप सभी सौभाग्यशाली हैं कि आप केएम विश्वविद्यालय से

जुड़े हैं, विदेश के लोग इंडिया आ रहे हैं देश को जो मान मिल रहा है वह भारतीय डाक्टरों के कारण मिल रहा है। आप ही इस राष्ट्र को आगे ले जाकर भारत को विश्वगुरु बनायेंगे।इस अवसर पर एसएचआर ऋषि कुमार शर्मा, अमरनाथ गर्लस डिग्री कालेज डा. मीता वाजपेई, चंचल अग्रवाल (अमरनाथ गर्लस डिग्री कालेज), ज्योति त्रिपाठी अमरनाथ गर्लस डिग्री कालेज आदि उपस्थित रहे। कार्यक्रम संयोजक डा. एसपी गोस्वामी ने व्याख्यान का समापन राष्ट्रगान और भारतभूमि माता की प्रार्थना गीत के साथ करवाया।

शहर



केएम विवि में आयोजित व्याख्यान में अतिथि सम्मान करते कुलाधिपति किशन चौधरी एवं अन्य। • हिन्दुस्तान

रविंद के शैक्षिक दर्शन पर हुआ व्याख्यान

मथुरा। केएम विश्वविद्यालय में एक दिव्य मिशन के रूप में राष्ट्रवाद-सतत विकास के संदर्भ में अरविंद के शैक्षिक दर्शन विषयक व्याख्यान आयोजित किया। शुभारंभ विश्वविद्यालय के कुलाधिपति किशन चौधरी ने अरविंदो सोसाइटी पुडुचेरी व मथुरा से आए अतिथियों के स्वागत के साथ की। कार्यक्रम संयोजक व चांसलर सलाहाकार डॉ. एसपी गोस्वामी ने अरविंद व माताजी के शिक्षा दर्शन को समग्र शिक्षा, आत्म-खोज, आंतरिक स्वतंत्रता और चेतना विकास का आधार बताया। मुख्य अतिथि डॉ. किशोर कुमार त्रिपाठी, सदस्य सचिव-अरोभारती, अरविंदो सोसाइटी ने कहा कि 21वीं सदी भारत की है और राष्ट्र समर्पण की भावना ही देश को विश्वगुरु बनाएगी। कुलसचिव डॉ. पूरन सिंह ने कहा कि अरविंद का लक्ष्य भारतीयों को उच्चतम आध्यात्मिक चेतना के लिए तैयार करना था। विशिष्ट अतिथि अनिल वाजपेई ने कहा कि भारतीय ज्ञान परंपरा-वेद, नदियां, ज्योतिर्लिंग सब राष्ट्रवाद की मूल भावना से जुड़े हैं।

केएम विवि में हुआ एक दिव्य मिशन के रूप में राष्ट्रवाद-स्थिरता पर व्याख्यान

दिल्ली और दिल्ली, आलोक टिकरी

मथुरा। "एक दिव्य मिशन के रूप में राष्ट्रवाद: सलाह विकास के संघर्ष में श्री अरविंद के शैक्षिक दर्शन का महत्व" के संघर्ष में के.एम. विश्वविद्यालय में एकात्मकता का आयोजन किया गया। कार्यक्रम के.एम. विश्वविद्यालय के कुलसचिव किशन चौधरी ने प्रस्तावित और मथुरा के श्री अरविंद सोसाइटी संकाय से आए मन्मथन्दी का शैक्षिक अधिपत्य व सहायक किया।

केएम विवि के चांसलर के सलाहकार तथा कार्यक्रम के संयोजक डा. एसबी मोहनजी ने श्री अरविंद और महात्मा का शिक्षा दर्शन समग्र विश्व तथा आत्म-खोज, आर्थिक स्वतंत्रता और प्रेरणा के विकास पर जोर दिया। एकात्मकता कार्यक्रम के दौरान कुलसचिव डा. पूरन सिंह, मेडीकल प्रोफेसर डा. पीएन पिले ने मुख्य और विशिष्ट अतिथियों का शौच ओपनकार, स्मृति धारण देकर सम्मानित किया।

मुख्य अतिथि डा. किशन कुमार शिवाजी, सदस्य सचिव, अयोधारी, श्री अरविंद सोसाइटी ने श्री अरविंद के शैक्षिकता पर प्रकाश डालते हुए कहा कि 21वीं सदी भारत की है। राष्ट्रधर्मण के प्रति हम सभी को जागरूक रखनी चाहिए, जिससे



जीवन में सुगमि आये। भारत को जगजग है राष्ट्र के विकास को, विश्वके लिए हमें स्वीकारों के एकात्मकता पहने चाहिए। उनके एकीकरण को आगे बढ़ाए हुए शिक्षा प्रदान कर भारत को विश्वगुरु बनाना है। डॉ. किशन कुमार शिवाजी ने एक दिव्य मिशन के रूप में राष्ट्रवाद के संदर्भ में महर्षि अरविन्द और श्रीमहात्मा के चिंतन पर छात्रों के साथ महत्वपूर्ण विषयों पर चर्चा की।

विवि के कुलसचिव डा. पूरन सिंह ने कहा श्री अरविन्द ने भारतीयों को उच्चतम अध्यात्मिकता के लिए तैयार करना अपना लक्ष्य उचित समझा था क्योंकि उनकी धारणा थी कि भारत का उद्देश्य सम्पूर्ण मानवता को जगजग करके प्रेरणा के एक

उपकार स्तर पर रखना है। श्री अरविन्द ने कभी भी स्वयं को राष्ट्रीय कार्यक्षेत्र से अलग नहीं किया था, पण्डितजी का जीवन श्री अरविन्द को महा-योग साधना और शैक्षिक क्रिया का जीवन रहा। उन्होंने अनेक कृतियों विश्व को दी हैं, जिसमें दिव्य जीवन, मन्मथ एकता का आदर्श, योग के सत्य, कर्मयोग का आदर्श, मानव चक्र, भारतीय संस्कृति के आधार हैं।

विशिष्ट अतिथि अशोक चामरुई ने कहा आज सभी शैक्षणिकता है कि आप केएम विश्वविद्यालय से जुड़े हैं, विदेश के लोग हींचा आ रहे हैं देश को जो मान मिल रहा है वह भारतीय छात्रों के कारण मिल रहा है। आप ही इस राष्ट्र को आगे ले जाकर भारत को

विश्वगुरु बनायेंगे। हमारे पुराने केटी में राष्ट्र की बात कही गई है। उन्होंने राष्ट्र कथ है, केटी, 12 जन्मदिन, नदियों पर प्रकाश डाला। आपको अपना दीपक स्वयं बनकर अपने को अंदर से जगुन करना चाहिए। ईश्वर को कोई शोभा नहीं, ऐसे ही ज्ञान को कोई शोभा नहीं होती है, अर्थात् भारत के राष्ट्रवाद में देखने को मिलता है।

एकात्मकता कार्यक्रम में विद्वानों ने श्री अरविंद के द्वारा दुनियाकार को दिए गए प्रबन्धों के बारे में एमकेसीएल छात्र-छात्राओं को बताया, मुझ श्रेणी को श्री अरविंद द्वारा बताया गया है कि राष्ट्र धर्मण ही भावना रखकर हम जीवन में सुगमि पा सकते हैं और दूसरों को सुगमि दे सकते हैं, राष्ट्र के प्रति धर्मण था

कैसे रखना चाहिए। श्री अरविंद के व्याख्यान, उनके एकीकरण को पढ़ें और शिक्षा हासिल कर भारत को विश्वगुरु बनायें। इस अवसर पर श्री अरविंद के शैक्षिक दर्शन, राष्ट्रवाद पर एकात्मकता डॉ. किशन कुमार शर्मा, अमरनाथ गर्वाल द्वितीयालेख डा. पीता चामरुई, श्रीमती चंचल अग्रवाल (अमरनाथ गर्वाल द्वितीयालेख), श्रीमती ज्योति शिवाजी अमरनाथ गर्वाल द्वितीयालेख आदि उपस्थित रहे। कार्यक्रम संयोजक डा. एसबी मोहनजी ने एकात्मकता का सम्पूर्ण राष्ट्रमान और भारतभूमि माता की आर्पण गीत के साथ समाप्त। इस मौके पर विवि के सचिव कैकाली के एमओटी और सभी संकायों के सचिवों की संख्या में छात्र-छात्राएं उपस्थित रहे।

केएम विवि में हुआ एक दिव्य मिशन के रूप में राष्ट्रवाद-स्थिरता पर व्याख्यान

श्रीअरविंदो के शिक्षक योगदान पर विद्वानों ने किया मंच साझा

परिहार गर्जना न्यूज। मथुरा। एक दिव्य मिशन के रूप में राष्ट्रवाद: सतत विकास के संबंध में श्रीअरविंद के शैक्षिक दर्शन का महत्व के संबंध में के.एम. विश्वविद्यालय में व्याख्यान का आयोजन किया गया। प्रारंभ में, के.एम. विश्वविद्यालय के कुलाधिपति किशन चौधरी ने पुडुचेरी और मथुरा के श्री अरविंदो सोसाइटी शाखा से आए गणमान्यों का हार्दिक अभिनंदन व स्वागत किया। केएम विवि के चांसलर के सलाहाकार तथा कार्यक्रम के संयोजक डा. एसपी गोस्वामी ने श्री अरविंद और माताजी का शिक्षा दर्शन समग्र शिक्षा तथा आत्म-खोज, आंतरिक स्वतंत्रता और चेतना के विकास पर जोर दिया।

व्याख्यान कार्यशाला के दौरान कुलसचिव डा. पूरन सिंह, मेडीकल प्राचार्य डा. पीएन भिसे ने मुख्य और विशिष्ट अतिथियों का शॉल ओढ़ाकर, स्मृति चिह्न देकर सम्मानित किया।

मुख्य अतिथि डा. किशोर कुमार त्रिपाठी, सदस्य सचिव, अरोभारती, श्री अरविन्द सोसाइटी ने श्री अरविन्द के व्यक्तित्व पर प्रकाश डालते हुए कहा कि 21वीं सदी भारत की है। राष्ट्र समर्पण के प्रति हम सभी को भावना रखनी चाहिए, जिससे जीवन में खुशी आये। भारत को जरूरत है राष्ट्र के विकास की, जिसके लिए हमें लीडरों के व्याख्यान पढ़ने चाहिए। उनके व्यक्तित्व को अपनाते हुए शिक्षा प्राप्त कर भारत को विश्वगुरु बनाना है। डॉ. किशोर कुमार त्रिपाठी ने एक दिव्य मिशन के रूप में राष्ट्रवाद के संदर्भ में

महर्षि अरविन्द और श्रीमाताजी के चिंतन पर छात्रों के साथ महत्वपूर्ण विषयों पर चर्चा की।

विवि के कुलसचिव डा. पूरन सिंह ने कहा श्री अरविन्द ने भारतीयों को उच्चतम अध्यात्मिकता के लिए तैयार करना अपना लक्ष्य उचित समझा था क्योंकि उनकी



धारणा थी कि भारत का उद्देश्य सम्पूर्ण मानवता को जाग्रत करके चेतना के एक उच्चतर स्तर पर रखना है। श्री अरविन्द ने कभी भी स्वयं को राष्ट्रीय कर्मक्षेत्र से अलग नहीं किया था, पाण्डिचेरी का जीवन श्री अरविन्द की महान् योग साधना और साहित्यिक क्रिया का जीवन रहा। उन्होंने अनेक कृतियाँ विश्व को दी हैं, जिसमें दिव्य जीवन, मानव एकता का आदर्श, योग के तत्व, कर्मयोग का आदर्श, मानव चक्र, भारतीय संस्कृति के आधार हैं।

विशिष्ट अतिथि अनिल वाजपेई ने कहा आप सभी सौभाग्यशाली हैं कि आप केएम विश्वविद्यालय से जुड़े हैं, विदेश के लोग इंडिया आ रहे हैं देश को जो मान मिल रहा है वह भारतीय डॉक्टरों के कारण मिल रहा है। आप ही इस राष्ट्र को आगे ले जाकर

भारत को विश्वगुरु बनायेंगे। हमारे पुराने वेदों में राष्ट्र की बात कही गई है। उन्होंने राष्ट्र क्या है, वेदों, 12 ज्योतिलिंगों, नदियों पर प्रकाश डाला। आपको अपना दीपक स्वयं बनकर अपने को अंदर से जागृत करना चाहिए। ईश्वर की कोई सीमा नहीं, ऐसे ही ज्ञान की कोई सीमा नहीं होती है, अध्यात्म भारत के राष्ट्रवाद में देखने को मिलता है। व्याख्यान कार्यशाला में विद्वानों ने श्री अरविंद के द्वारा दुनियाभर को दिए गए प्रकाश के बारे में एमबीबीएस छात्र-छात्राओं को बताया, युवा पीढ़ी को श्री अरविंद द्वारा बताया गया है कि राष्ट्र समर्पण प्रति भावना रखकर हम जीवन में खुशी पा सकते हैं और दूसरों

को खुशी दे सकते हैं, राष्ट्र के प्रति समर्पण भाव कैसे रखना चाहिए। श्री अरविंद के व्याख्यान, उनके व्यक्तित्व को पढ़ें और शिक्षा हासिल कर भारत को विश्वगुरु बनायें। इस अवसर पर श्री अरविंदो के शैक्षिक दर्शन राष्ट्रवाद पर एसएचआर ऋषि कुमार शर्मा, अमरनाथ गर्ल्स डिग्री कालेज डा. मीता वाजपेई, श्रीमती चंचल अग्रवाल (अमरनाथ गर्ल्स डिग्री कालेज), श्रीमती ज्योति त्रिपाठी अमरनाथ गर्ल्स डिग्री कालेज आदि उपस्थित रहे। कार्यक्रम संयोजक डा. एसपी गोस्वामी ने व्याख्यान का समापन राष्ट्रगान और भारतभूमि माता की प्रार्थना गीत के साथ करवाया। इस मौके पर विवि के समस्त फैकल्टी के एचओडी और सभी संकायों के सैकड़ों की संख्या में छात्र-छात्राएं उपस्थित रहे।

केएम विवि में हुआ एक दिव्य मिशन के रूप में राष्ट्रवाद-स्थिरता पर व्याख्यान श्रीअरबिंदो के शिक्षिक योगदान पर विद्वानों ने किया मंच साझा

विद्वानों का स्वागत व अभिनंदन के दौरान विवि के कुलसचिव मथुरा। "एक दिव्य मिशन के रूप में राष्ट्रवाद: सतत विकाश के संबंध में श्रीअरबिंद के शैक्षिक दर्शन का महत्व" के संबंध में के.एम. विश्वविद्यालय में व्याख्यान का आयोजन किया गया। प्रारंभ में, के.एम. विश्वविद्यालय के कुलाधिपति किशन चौधरी ने पुडुचेरी और मथुरा के श्री अरबिंदो सोसाइटी शाखा से आए गणमान्यों का हार्दिक अभिनंदन व स्वागत किया।

केएम विवि के चांसलर के सलाहकार तथा कार्यक्रम के संयोजक डा. एसपी गोस्वामी ने श्री अरबिंद और माताजी का शिक्षा दर्शन समय शिक्षा तथा आत्म-खोज, आंतरिक स्वतंत्रता और चेतना के विकास पर जोर दिया। व्याख्यान कार्यशाला के दौरान कुलसचिव डा. पूरन सिंह, मेडीकल प्राचार्य डा. पीएन मिसे ने मुख्य और विशिष्ट अतिथियों का शॉल ओढ़ाकर, स्मृति चिह्न देकर सम्मानित किया। मुख्य अतिथि डा. किशोर कुमार त्रिपाठी, सदस्य सचिव, अरोभारती, श्री अरविन्द सोसाइटी ने श्री अरविन्द के व्यक्तित्व पर प्रकाश डालते हुए कहा कि 21वीं सदी भारत की है। राष्ट्र समर्पण के प्रति हम सभी को भावना रखनी चाहिए, जिससे जीवन में खुशी आये। भारत को जरूरत है राष्ट्र के विकास की, जिसके लिए हमें लीडरों के व्याख्यान पढ़ने चाहिए। उनके व्यक्तित्व को अपनाते हुए शिक्षा प्राप्त कर भारत को विश्वगुरु बनाना है। डॉ किशोर कुमार त्रिपाठी ने एक दिव्य मिशन के रूप में राष्ट्रवाद के संदर्भ में महर्षि अरविन्द और श्रीमाताजी के चिंतन पर छात्रों के साथ महत्वपूर्ण विषयों पर चर्चा की। विवि के कुलसचिव डा. पूरन सिंह ने कहा श्री अरविन्द ने भारतीयों को उच्चतम अध्यात्मिकता के लिए तैयार करना अपना लक्ष्य उचित समझा था क्योंकि उनकी धारणा थी



कि भारत का उद्देश्य सम्पूर्ण मानवता को जाग्रत करके चेतना के एक उच्चतर स्तर पर रखना है। विशिष्ट अतिथि अनिल वाजपेई ने कहा आप सभी सौभाग्यशाली हैं कि आप केएम विश्वविद्यालय से जुड़े हैं, विदेश के लोग इंडिया आ रहे हैं देश को जो मान मिल रहा है वह भारतीय डाक्टरों के कारण मिल रहा है। आप ही इस राष्ट्र को आगे ले जाकर भारत को विश्वगुरु बनायेंगे। हमारे पुराने वेदों में राष्ट्र की बात कही गई है। उन्होंने राष्ट्र क्या है, वेदों, 12 ज्योतिषिगों, नदियों पर प्रकाश डाला। आपको अपना दीपक स्वयं बनकर अपने को अंदर

से जागृत करना चाहिए। ईश्वर की कोई सीमा नहीं, ऐसे ही ज्ञान की कोई सीमा नहीं होती है, अध्यात्म भारत के राष्ट्र वाद में देखने को मिलता है।

व्याख्यान कार्यशाला में विद्वानों ने श्री अरविंद के द्वारा दुनियाभर को दिए गए प्रकाश के बारे में एमबीबीएस छात्र-छात्राओं को बताया, युवा पीढ़ी को श्री अरविंद द्वारा बताया गया है कि राष्ट्र समर्पण प्रति भावना रखकर हम जीवन में खुशी पा सकते हैं और दूसरों को खुशी दे सकते हैं, राष्ट्र के प्रति समर्पण भाव कैसे रखना चाहिए। श्री अरविंद के व्याख्यान, उनके व्यक्तित्व को पढ़े और शिक्षा हासिल कर भारत को विश्वगुरु बनाये। इस अवसर पर श्री अरबिंदो के शैक्षिक दर्शन, राष्ट्रवाद पर एसएचआर ऋषि कुमार शर्मा,

अमरनाथ गर्ल्स डिग्री कालेज डा. मीता वाजपेई, श्रीमती चंचल अग्रवाल (अमरनाथ गर्ल्स डिग्री कालेज), श्रीमती ज्योति त्रिपाठी अमरनाथ गर्ल्स डिग्री कालेज आदि उपस्थित रहे। कार्यक्रम संयोजक डा. एसपी गोस्वामी ने व्याख्यान का समापन राष्ट्रगान और भारतमूभि माता की प्रार्थना गीत के साथ करवाया। इस मौके पर विवि के समस्त फैकल्टी के एचओडी और सभी संकायों के सैकड़ों की संख्या में छात्र-छात्राएं उपस्थित रहे।



RNI Reg. No. MPHN/2021/02530

944471667, 812070559
Anshul@gmail.com
www.anshulnews.com
Black Richies Media
Anshul@anshulmedia.com
9800110000

दैनिक केसरिय हिन्दुस्तान

समूह सम्पदा ग्राम वि. पो.स

सबसे बेबाक, बेझोफ, बिदार

म्यासिपत, भायान, इंदौर, मन्सबदेग से प्रकाशित एवं छत्तीसगढ़, उत्तर प्रदेश, बिहार, महाराष्ट्र, उत्तराखण्ड, हरियाणा दिल्ली से एक साथ प्रसारित

पता: दिल्ली-110001, पब्लिशिंग: समस्तसमय डिजिटल प्रिंटिंग, फोन: 9800110000

केएम विवि में हुआ एक दिव्य मिशन के रूप में राष्ट्रवाद-स्थिरता पर व्याख्यान

श्रीअरबिंदो के शिक्षिक योगदान पर विद्वानों ने किया मंच साझा

दैनिक केसरिया हिन्दुस्तान /सोना बजपुरी



बजपुरी। एक दिव्य मिशन के रूप में राष्ट्रवाद: सात विकल्प के संबंध में श्रीअरबिंद के वैश्विक दर्शन का महत्व के संबंध में के.एम. विश्वविद्यालय में व्याख्यान का आयोजन किया गया। प्रांत में, के.एम. विश्वविद्यालय के कुलसचिव किशन चौधरी ने बुधवार और बजपुरी के श्री अरबिंदो सोसाइटी संसद में आए समसामर्थों का हार्दिक अभिनंदन व स्वागत किया।

अतिथि डा. किशोर कुमार विचारी, सरन्य सचिव, अरोधारी, श्री अरविन्द सोसाइटी ने श्री अरविन्द के व्यक्तित्व पर प्रस्ताव डालते हुए कहा कि 21वीं सदी भारत की है। राष्ट्र सर्वमूल्य के प्रति हम सभी को भावना रखनी चाहिए, जिससे जीवन में खुशी आये। भारत की उत्थता है राष्ट्र के विकास को, जिसके लिए हमें सोचने के व्याख्यान पढ़ने चाहिए। उनके व्यक्तित्व को अपनाते हुए शिक्षा प्राप्त कर भारत को विश्वगुरु बनना है। डॉ किशोर कुमार विचारी ने एक दिव्य मिशन के रूप में राष्ट्रवाद के संदर्भ में भारतीय

अरविन्द और श्रीभारती के मिशन पर छात्रों के साथ व्याख्यान विषयों पर चर्चा की। विधि के कुलसचिव डा. पून सिंह ने कहा श्री अरविन्द ने भारतीयों को उच्चतम जागरूकता के लिए तैयार करने अपना उच्चतम प्रतिभामय या क्योंकि उनको पता था कि भारत का उदय सम्पूर्ण मानवता को जगान करने केन्द्र के एक उत्थारक पर पर रहता है। विशिष्ट अतिथि जयिज वाजवेई ने कहा आज सभी श्रीभारती ई कि आज केवल विश्वविद्यालय से जुड़े है, विदेश के लोग इच्छा आ रहे

है देश को जो धार मिल रहा है वह भारतीय डॉक्टरों के कारण मिल रहा है। आज ही इस राष्ट्र को अपने ले जाकर भारत को विश्वगुरु बनवेंगे। हमारे पुराने वेदों में राष्ट्र को बात कही गई है। उन्होंने राष्ट्र कहा है, वेदों, 12 ज्योतिषियों, पंडितों पर प्रस्ताव डाल। जलको अपना दीपक स्वयं बनकर अपने को अंध से जगान करवा चाहिए। ईश्वर को कोई सोना नहीं, ऐसे ही जन को कोई सोना नहीं होती है, अन्धकार भारत के राष्ट्रवाद में देखने को मिलता है।

व्याख्यान कार्यक्रमला में विद्वानों ने श्री अरविंद के द्वारा

दुर्निवार को दिए गए प्रस्ताव के बारे में एमबीसीएस छात्र-छात्राओं को बताया, बुधवार को श्री अरविंद द्वारा प्रस्ताव पेश है कि राष्ट्र सर्वमूल्य प्रति भावना रखकर हम जीवन में खुशी या सफलता है और दूसरों को खुशी दे सकते है, राष्ट्र के प्रति सर्वमूल्य भाव कैसे रखना चाहिए। श्री अरविंद के व्याख्यान, उनके व्यक्तित्व को पढ़े और शिक्षा हासिल कर भारत को विश्वगुरु बनवें। इस अवसर पर श्री अरविंदो के वैश्विक दर्शन, राष्ट्रवाद पर एमएचएमए ज्योतिष कुमार शर्मा, अमरनाथ गार्गस डिप्टी कलेक्टर डा. सोना वाजवेई, श्रीमती चंचल अग्रवाल (अमरनाथ गार्गस डिप्टी कलेक्टर), श्रीमती ज्योतिष विचारी अमरनाथ गार्गस डिप्टी कलेक्टर ज्योतिष जयिज वाजवेई, कार्यक्रम संयोजक डा. एमबी सीमानी ने व्याख्यान का संचालन रक्षणन और भारतभूमि सात को प्रार्थना गीत के साथ कराया। इस सत्र के विधि के समस्त कैंपस के एमबीसीटी और सभी संकायों के संचालकों की संख्या में छात्र-छात्राएं उपस्थित रहे।

केएम विवि में हुआ एक दिव्य मिशन के रूप में राष्ट्रवाद-स्थिरता पर व्याख्यान



न्यूज स्पीक्स

मथुरा। एक दिव्य मिशन के रूप में राष्ट्रवाद: सतत विकास के संबंध में श्रीअरविंद के शैक्षिक दर्शन का महत्व के संबंध में के.एम. विश्वविद्यालय में व्याख्यान का आयोजन किया गया। प्रारंभ में, के.एम. विश्वविद्यालय के कुलाधिपति किशन चौधरी ने पुहुचेरी और मथुरा के श्री अरविंदो सोसाइटी शाखा से आए गणमान्यों का हार्दिक अभिनंदन व स्वागत किया। केएम विवि के चांसलर के सलाहाकार तथा कार्यक्रम के संयोजक डा. एसपी गोस्वामी ने श्री अरविंद और माताजी का शिक्षा दर्शन समग्र शिक्षा तथा आत्म-खोज, आंतरिक स्वतंत्रता और चेतना के विकास पर जोर दिया। व्याख्यान कार्यशाला के दौरान कुलसचिव डा. पूरन सिंह, मेडीकल प्राचार्य डा. पीएन भिसे ने मुख्य और विशिष्ट अतिथियों का शॉल ओढ़ाकर, स्मृति चिह्न देकर सम्मानित किया। मुख्य अतिथि डा. किशोर कुमार त्रिपाठी, सदस्य सचिव, अरोभारती, श्री अरविन्द सोसाइटी ने श्री अरविन्द के



व्यक्तित्व पर प्रकाश डालते हुए कहा कि 21वीं सदी भारत की है। राष्ट्र समर्पण के प्रति हम सभी को भावना रखनी चाहिए, जिससे जीवन में खुशी आये। भारत को जरूरत है राष्ट्र के विकास की, जिसके लिए हमें लीडरों के व्याख्यान पढ़ने चाहिए। उनके व्यक्तित्व को अपनाते हुए शिक्षा प्राप्त कर भारत को विश्वगुरु बनाना है। डॉ किशोर कुमार त्रिपाठी ने एक दिव्य मिशन के रूप में राष्ट्रवाद के संदर्भ में महर्षि अरविन्द और श्रीमाताजी के चिंतन पर छात्रों के साथ महत्वपूर्ण विषयों पर चर्चा की। विवि के कुलसचिव डा. पूरन सिंह ने कहा श्री अरविन्द ने भारतीयों को उच्चतम अध्यात्मिकता के लिए तैयार करना अपना लक्ष्य उचित समझा था क्योंकि उनकी धारणा थी कि भारत

का उद्देश्य सम्पूर्ण मानवता को जाग्रत करके चेतना के एक उच्चतर स्तर पर रखना है। श्री अरविन्द ने कभी भी स्वयं को राष्ट्रीय कर्मक्षेत्र से अलग नहीं किया था, पाण्डिचेरी का जीवन श्री अरविन्द की महायोग साधना और साहित्यिक क्रिया का जीवन रहा। उन्होंने अनेक कृत्तियाँ विश्व को दी है, जिसमें दिव्य जीवन, मानव एकता का आदर्श, योग के तत्व, कर्मयोग का आदर्श, मानव चक्र, भारतीय संस्कृति के आधार है। वह भारतीय डाक्टरों के कारण मिल रहा है। आप ही इस राष्ट्र को आगे ले जाकर भारत को विश्वगुरु बनायेंगे। हमारे पुराने वेदों में राष्ट्र की बात कही गई है। उन्होंने राष्ट्र क्या है, वेदों, 12 ज्योतिर्लिंगों, नदियों पर प्रकाश डाला। आपको अपना दीपक स्वयं बनकर अपने को अंदर से जागृत करना

चाहिए। ईश्वर की कोई सीमा नहीं, ऐसे ही ज्ञान की कोई सीमा नहीं होती है, अध्यात्म भारत के राष्ट्र वाद में देखने को मिलता है। व्याख्यान कार्यशाला में विद्वानों ने श्री अरविंद के द्वारा दुनियाभर को दिए गए प्रकाश के बारे में एमबीबीएस छात्र-छात्राओं को बताया, युवा पीढ़ी को श्री अरविंद द्वारा बताया गया है कि राष्ट्र समर्पण प्रति भावना रखकर हम जीवन में खुशी पा सकते हैं और दूसरों को खुशी दे सकते हैं, राष्ट्र के प्रति समर्पण भाव कैसे रखना चाहिए। इस अवसर पर श्री अरविंदो के शैक्षिक दर्शन, राष्ट्रवाद पर एसएचआर ऋषि कुमार शर्मा, अमरनाथ गल्स डिग्री कालेज डा. मीता वाजपेई, श्रीमती चंचल अग्रवाल (अमरनाथ गल्स डिग्री कालेज), श्रीमती ज्योति त्रिपाठी अमरनाथ गल्स डिग्री कालेज आदि उपस्थित रहे। कार्यक्रम संयोजक डा. एसपी गोस्वामी ने व्याख्यान का समापन राष्ट्रगान और भारतभूमि माता की प्रार्थना गीत के साथ करवाया। इस मौके पर विवि के समस्त फैकल्टी के एचओडी और सभी संकायों के सैकड़ों की संख्या में छात्र-छात्राएं उपस्थित रहे।

केएम विवि में हुआ एक दिव्य मिशन के रूप में राष्ट्रवाद-स्थिरता पर व्याख्यान श्रीअरबिंदो के शिक्षिक योगदान पर विद्वानों ने किया मंच साझा

विद्वानों का स्वागत व अभिनंदन के दौरान विवि के कुलसचिव मथुरा। "एक दिव्य मिशन के रूप में राष्ट्रवाद: सतत विकाश के संबंध में श्रीअरबिंद के शैक्षिक दर्शन का महत्व" के संबंध में के.एम. विश्वविद्यालय में व्याख्यान का आयोजन किया गया। प्रारंभ में, के.एम. विश्वविद्यालय के कुलाधिपति किशन चौधरी ने पुडुचेरी और मथुरा के श्री अरबिंदो सोसाइटी शाखा से आए गणमान्यों का हार्दिक अभिनंदन व स्वागत किया।

केएम विवि के चांसलर के सलाहकार तथा कार्यक्रम के संयोजक डा. एसपी गोस्वामी ने श्री अरबिंद और माताजी का शिक्षा दर्शन समय शिक्षा तथा आत्म-खोज, आंतरिक स्वतंत्रता और चेतना के विकास पर जोर दिया। व्याख्यान कार्यशाला के दौरान कुलसचिव डा. पूरन सिंह, मेडीकल प्राचार्य डा. पीएन मिसे ने मुख्य और विशिष्ट अतिथियों का शॉल ओढ़ाकर, स्मृति चिह्न देकर सम्मानित किया। मुख्य अतिथि डा. किशोर कुमार त्रिपाठी, सदस्य सचिव, अरोभारती, श्री अरविन्द सोसाइटी ने श्री अरविन्द के व्यक्तित्व पर प्रकाश डालते हुए कहा कि 21वीं सदी भारत की है। राष्ट्र समर्पण के प्रति हम सभी को भावना रखनी चाहिए, जिससे जीवन में खुशी आये। भारत को जरूरत है राष्ट्र के विकास की, जिसके लिए हमें लीडरों के व्याख्यान पढ़ने चाहिए। उनके व्यक्तित्व को अपनाते हुए शिक्षा प्राप्त कर भारत को विश्वगुरु बनाना है। डॉ किशोर कुमार त्रिपाठी ने एक दिव्य मिशन के रूप में राष्ट्रवाद के संदर्भ में महर्षि अरविन्द और श्रीमाताजी के चिंतन पर छात्रों के साथ महत्वपूर्ण विषयों पर चर्चा की। विवि के कुलसचिव डा. पूरन सिंह ने कहा श्री अरविन्द ने भारतीयों को उच्चतम अध्यात्मिकता के लिए तैयार करना अपना लक्ष्य उचित समझा था क्योंकि उनकी धारणा थी



कि भारत का उद्देश्य सम्पूर्ण मानवता को जाग्रत करके चेतना के एक उच्चतर स्तर पर रखना है। विशिष्ट अतिथि अनिल वाजपेई ने कहा आप सभी सौभाग्यशाली हैं कि आप केएम विश्वविद्यालय से जुड़े हैं, विदेश के लोग इंडिया आ रहे हैं देश को जो मान मिल रहा है वह भारतीय डाक्टरों के कारण मिल रहा है। आप ही इस राष्ट्र को आगे ले जाकर भारत को विश्वगुरु बनायेंगे। हमारे पुराने वेदों में राष्ट्र की बात कही गई है। उन्होंने राष्ट्र क्या है, वेदों, 12 ज्योतिषिगों, नदियों पर प्रकाश डाला। आपको अपना दीपक स्वयं बनकर अपने को अंदर

से जागृत करना चाहिए। ईश्वर की कोई सीमा नहीं, ऐसे ही ज्ञान की कोई सीमा नहीं होती है, अध्यात्म भारत के राष्ट्र वाद में देखने को मिलता है।

व्याख्यान कार्यशाला में विद्वानों ने श्री अरविंद के द्वारा दुनियाभर को दिए गए प्रकाश के बारे में एमबीबीएस छात्र-छात्राओं को बताया, युवा पीढ़ी को श्री अरविंद द्वारा बताया गया है कि राष्ट्र समर्पण प्रति भावना रखकर हम जीवन में खुशी पा सकते हैं और दूसरों को खुशी दे सकते हैं, राष्ट्र के प्रति समर्पण भाव कैसे रखना चाहिए। श्री अरविंद के व्याख्यान, उनके व्यक्तित्व को पढ़ें और शिक्षा हासिल कर भारत को विश्वगुरु बनायें। इस अवसर पर श्री अरबिंदो के शैक्षिक दर्शन, राष्ट्रवाद पर एसएचआर ऋषि कुमार शर्मा,

अमरनाथ गर्ल्स डिग्री कालेज डा. मीता वाजपेई, श्रीमती चंचल अग्रवाल (अमरनाथ गर्ल्स डिग्री कालेज), श्रीमती ज्योति त्रिपाठी अमरनाथ गर्ल्स डिग्री कालेज आदि उपस्थित रहे। कार्यक्रम संयोजक डा. एसपी गोस्वामी ने व्याख्यान का समापन राष्ट्रगान और भारतमूभि माता की प्रार्थना गीत के साथ करवाया। इस मौके पर विवि के समस्त फैकल्टी के एचओडी और सभी संकायों के सैकड़ों की संख्या में छात्र-छात्राएं उपस्थित रहे।